भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी

सं.आरआरकेट/प्रेसनोट/2011/ 3019 दिनांक 22.02.2011

श्री मधुकर पवार
मीडिया एवं संचार अधिकारी
पत्र सूचना कार्यालय
सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स,
इंदौर.

प्रेस नोट

इस वर्ष राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र (आआरकेट) में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन गुरुवार 24 फरवरी, 2011 को किया जाएगा। यह समारोह 19 फरवरी, 1984 से प्रतिवर्ष मनाया जाता है, क्योंकि इस दिन केन्द्र की आधार शिला स्वर्गीय राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने रखी थी। इस दिन केन्द्र द्वारा पिछले वर्ष हुई प्रगति का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया जाता है।

समारोह के मुख्य अतिथि डा. एस. बैनर्जी, सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग एवं अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग होंगे।

वर्ष 1984 में राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र के रूप में इस केंद्र की स्थापना के बाद से आरआरकेट देश में त्वरकों, लेसरों तथा संबंधित प्रौद्योगिकियों की प्रमुख प्रयोगशालाओं के रूप में विकसित हुआ। इन क्षेत्रों के विभिन्न अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति मिली। केन्द्र, सिंक्रोट्रॉन विकिरण स्रोत के लिए देश का प्रमुख केन्द्र है। सिंक्रोट्रान आधुनिक दिन का "प्रकाश स्रोत" है, जो एक्स-किरणों से दूर के अवरक्त कणों की संपूर्ण श्रृंखला को विकिरण आवरण प्रदान करता है तथा यह अनुसंधानकर्ताओं तथा औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए भी एक समृद्धि के रूप में है। आरआरकेट में स्थापित इण्डस-2, सिंक्रोट्रॉन विकिरण स्रोत अपने 2.5 GeV अधिकतम निर्धारित ऊर्जा पर पहुंच गया है तथा वह अब प्रयोगकर्ताओं को प्रयोज्य सिंक्रोट्रॉन प्रकाश दे रहा है। इसके साथ ही भारत उन एक दर्जन सर्वोत्कृष्ट समूह अथवा विश्व के उन देशों से जुड़ गया है, जिन्होंने इस प्रकार के त्वरकों एवं सिंक्रोट्रान विकिरण स्रोतों का निर्माण किया है।

अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में, केन्द्र ने सर्न में विश्व के सबसे बड़े एलएचसी तथा फर्मी लेब, यूएसए के सहयोगी कार्यक्रमों में अतिचालन गुहिकाओं के विकास में की गई प्रगति में योगदान दिया तथा दूसरों का ध्यान आकर्षित किया है।

आरआरकेट ने अपने देश में विकसित किए गए लेसर आधारित प्रौद्योगिकियों के द्वारा न्यूक्लियर पावर रिएक्टरों को पुन:सज्जित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान भी दिया है। मुखीय कैंसर के निदान के लिए आरआरकेट ने जैवचिकित्सा अनुप्रयोगार्थ लेसर आधारित प्रौद्योगिकियां जैसे डायबिटिक रेटीनोपेथी के उपचार के लिए लेसर फोटोकोएगुलेटर को भी विकसित किया। इसके साथ- साथ लेसर के प्रयोग के द्वारा के त्वरण वाले नवीन प्रयोग किए।

(आर.पी. आचार्य)
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी